



Mrs. Sheila Shekhar
A Lady To Remember

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरु

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Usha and I can never forget the attention we received during our last meeting with her, she insisted that I have hot while Usha will have her favourite cold coffee and cookies

Get the
bridal glow

Why Bats Don't
Get Cancer?

‘आतंक के खिलाफ लड़ाई में हम भारत के साथ लड़ेंगे’

पुतिन की इस टिप्पणी से पाकिस्तान के पसीने छूटे

—सुकुमार साह—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की हालिया टिप्पणी, जो उन्होंने अपनी हाई – प्रोफाइल भारत यात्रा के दौरान की, ने तुरंत ही एक भू-राजनीतिक तूफान को जन्म दे दिया, जिसकी एक अकेली नाटकीय लान से दुनिया भर की राजधानियों में तीव्र बहस शुरू हो गई। भारतीय नेताओं के साथ खड़े होकर पुतिन ने एक ऐसे सशक्त वाक्य का इस्तेमाल किया, जिसे कई टिप्पणीकारों ने इस रूप में व्याख्यायित किया कि रूस “भारत के साथ मिलकर आतंकवाद से लड़ेगा।” यह बयान लाइव प्रसारण के दौरान दिया गया और विभिन्न मीडिया आउटलेट्स पर पुनः प्रसारित हुआ। यह बयान शीघ्र ही वैश्विक चर्चाओं पर छा गया। जहाँ माँस्को ने बाद में इस टिप्पणी को भारत के साथ लंबी अवधि से चल रही आतंकवाद- विरोधी साझेदारी के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किया, वहीं, उक्त वाक्यांश इतना प्रभावशाली था कि इसने

- पाकिस्तानी विश्लेषकों ने कहा कि आतंक के खिलाफ जंग में रूस और भारत के साथ आने से क्षेत्रीय संतुलन बिगड़ सकता है, क्योंकि पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक विपन्नता, राजनैतिक उठापटक और पश्चिम के साथ तनावपूर्ण संबंधों से त्रस्त है और वह भारत और रूस की ताकत का मुकाबला नहीं कर सकता।
- भारतीय विश्लेषकों ने पुतिन के बयान को कूटनीतिक जीत बताया और कहा कि भले ही यह बात अनायास ही कही गई हो, पर, चूंकि पुतिन अपने ताकत दिखाने वाले बयानों के लिए जाने जाते हैं, इसलिए यह बयान काफी महत्वपूर्ण है और इससे दुनिया भर में दोनों देशों के मजबूत संबंधों का मैसेज जाता है।

कयासों और रणनीतिक हिसाब-किताब की झड़ी का माहौल बना दिया। इसकी प्रतिक्रिया इतनी तीव्र कहीं नहीं थी, जितनी पाकिस्तान में। इस्लामाबाद की राजनीतिक और मीडिया की टीका-टिप्पणी हद से ज्यादा रही। उन्होंने इस टिप्पणी को क्षेत्रीय सम्बंधों में एक ऐसे बदलाव के रूप में

प्रस्तुत किया, जिससे पाकिस्तान की रणनीतिक चिंताएँ और गहरी हो सकती हैं। पाकिस्तानी विश्लेषकों ने चेतावनी दी कि अगर रूस वाकई भारत के साथ आतंकवाद विरोधी सहयोग को मजबूत करने का संकेत दे रहा है, तो यह ऐसे समय में “क्षेत्रीय संतुलन को गड़बड़ा सकता है,” जब पाकिस्तान पहले ही

आर्थिक नाजुकता, राजनीतिक बदलाव और पश्चिमी शक्तियों के साथ तनावपूर्ण रिश्तों से जूझ रहा है। प्राइम-टाइम शो और सोशल मीडिया अकाउंट्स ने इस चिंता को और बढ़ाया, और ऐसे परिदृश्यों को सामने रखा, जिनमें माँस्को का नई दिल्ली की ओर झुकाव दक्षिण एशियाई सुरक्षा प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है, विशेष रूप से भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच। इसी बीच, भारतीय विश्लेषकों ने पुतिन की इस टिप्पणी को कूटनीतिक जीत के रूप में देखा, भले ही यह टिप्पणी गैर-इरादतन की गई हो। नई दिल्ली के रणनीतिक हलकों में इसे भारत के साथ रूस के दशकों पुराने सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने के रूप में देखा गया। कुछ विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि पुतिन, जो अनौपचारिक और मजबूत बयानों के लिए प्रसिद्ध हैं, ने शायद इस व्यापक संदेश को रेखांकित करने का प्रयास किया: रूस भारत को क्षेत्र में स्थिरता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिगो की एक हज़ार से ज्यादा उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली, 05 दिसंबर। चालक दल की कमी और परिचालन संबंधी समस्या से जूझ रही इंडिगो की शुक्रवार को देश भर में “1,000 से अधिक” उड़ानें रद्द रहीं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मामले की जांच के लिए एक संयुक्त महानिदेशक की अध्यक्षता

- इंडिगो चालक दल की कमी और परिचालन संबंधी समस्याओं से जूझ रही है। नागर विमानन महानिदेशालय ने स्थिति की जांच के लिए समिति गठित की है।

में चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। इसके अलावा इंडिगो के ऑपरेशनल नियंत्रण केन्द्रों में डीजीसीए की टीमों की तैनाती की जायेगी, जो उड़ानों में देरी/उड़ानें रद्द होने और प्रभावित यात्रियों के लिए की गयी व्यवस्था की निगरानी करेंगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुतिन को दिए राष्ट्रपति के भोज में राहुल और खड़गे को निमंत्रण नहीं

राहुल लोकसभा में तथा खड़गे राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं, उन्हें निमंत्रित नहीं करने से भारी आश्चर्य है

—रेणु मिश्रल—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के लिए राष्ट्रपति भवन में आयोजित रात्रिभोज में लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं को निमंत्रण नहीं दिया और इस बात ने पूरे देश को चौंका दिया है।

यह रात्रिभोज राष्ट्रपति द्वारा आयोजित किया जा रहा है, लेकिन निमंत्रण सूची और अन्य विवरण प्रधानमंत्री और उनके कार्यालय द्वारा तैयार किए जाते हैं, और एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह कदम निंदनीय है तथा छोटी सोच और असुरक्षा की भावना की उच्चतम सीमा को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर, जो संसद में विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं, को निमंत्रण मिला है। कल ही राहुल गांधी ने यह बात

- गौरतलब है कि राष्ट्रपति के रात्रिभोज का कार्यक्रम, मेहमानों की लिस्ट पीएमओ बनाता है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, यह छोटी सोच और असुरक्षा की भावना की हद है और निंदनीय कृत्य है।

- हैरानी की बात है कि कांग्रेस के सांसद शशि थरूर को डिनर का निमंत्रण भेजा गया है।

- एक दिन पहले ही राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि केन्द्र सरकार किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से बतौर नेता प्रतिपक्ष उन्हें मिलने देना नहीं चाहती है।

उठाई थी कि मोदी सरकार नहीं चाहती कि किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से वे विपक्ष के नेता के रूप में मिलें। परंपरा और प्रचलन से यह विचलन विपक्षी दलों, विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी, को बहुत खला है। कांग्रेस और सत्तारूढ़ भाजपा के बीच संबंध तेजी से नीचे की ओर जा रहे

थे, लेकिन हाल ही में जिस तरह से मोदी – राहुल गांधी को निशाना बनाते रहे हैं, वह भविष्य में व्यक्तिगत राजनीतिक रिश्तों के लिए अच्छा संकेत नहीं है। दूसरे वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि इस घटनाक्रम से कड़वाहट और बढ़ेगी, और आज का घटनाक्रम मामलों को और खराब कर सकता है।

‘अमेरिका अपने न्यूक्लियर प्लांट्स के लिए खुद हम से फ्यूल खरीदता है’

पुतिन ने कहा, अगर अमेरिका को हम से फ्यूल खरीदने का अधिकार है तो भारत को भी है

— जाल खंबाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने माँस्को के साथ भारत की बढ़ती ऊर्जा साझेदारी का बचाव किया, यह तर्क देते हुए कि “कुछ तत्व” नई दिल्ली के बढ़ते प्रभाव को नापसंद करते हैं और राजनीतिक कारणों से कुत्रिम बाधाएँ उत्पन्न कर रहे हैं, साथ ही यह दावा किया कि वॉशिंगटन के दोहरे मानकों के तहत, अमेरिका, रूस से परमाणु सामग्री खरीदता है। अपने दो-दिन के दौर से पहले इंडिया टुडे के साथ एक साक्षात्कार में पुतिन ने कहा कि पश्चिमी प्रतिबंधों और रूसी तेल के भारतीय आयातों पर अमेरिकी जुर्माना शुल्क से भारत-रूस ऊर्जा सहयोग विचटित या भंग नहीं हुआ है, तथा वह “अप्रभावित” बना हुआ है। अमेरिका के दोहरे मानदंड का जिक्र करते हुए पुतिन ने कहा कि

- पुतिन ने ऐसा कहकर अमेरिका के दोहरे मानदंडों को उजागर किया, क्योंकि अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने का दबाव डाला था।
- पुतिन ने कहा, अब भारत एक बड़ी ग्लोबल पावर है और मोदी किसी के भी दबाव में नहीं आते हैं और ना तो मैंने, ना ही मोदी ने अपने सहयोग का इस्तेमाल किसी तीसरे देश के खिलाफ किया है।

अमेरिका, रूस से परमाणु सामग्री खरीदना जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा, “जहाँ तक भारत के रूस से ऊर्जा संसाधनों की खरीदारी का सवाल है, स्वयं अमेरिका अभी भी हमसे अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए परमाणु ईंधन खरीदता है।” उन्होंने कहा, “अगर अमेरिका को हमारा ईंधन खरीदने का अधिकार है, तो भारत को वही अधिकार क्यों नहीं मिलना चाहिए?”

पुतिन ने यह भी स्पष्ट किया कि

भारत-रूस संबंधों का उद्देश्य किसी तीसरे देश को निशाना बनाना या उसके खिलाफ काम करना नहीं है। उन्होंने कहा, “न तो मैंने और न ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कभी हमारी सहयोग योजना को किसी के खिलाफ काम करने के रूप में देखा है।”

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अब “एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी” बन चुका है और मोदी “ऐसे व्यक्ति नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुतिन राजघाट गए, महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 05 दिसंबर। भारत यात्रा पर आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने शुक्रवार को राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। पुतिन ने बापू की समाधि पर सिर झुकाया और परिक्रमा की। उन्होंने एक पुष्प चक्र चढ़ाया और बापू के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

उन्होंने राजघाट पर रखी स्मारिका में रूसी भाषा में लिखा, “महात्मा गांधी ने अहिंसा और सच्चाई के जरिए हमारी धरती पर शांति के लिए एक अनमोल योगदान दिया, जिसका प्रभाव आज भी कायम है। महात्मा गांधी ने एक नयी, ज्यादा निष्पक्ष, बहुधुवीय दुनिया की व्यवस्था का रास्ता दिखाया। समानता, आपसी सम्मान और सहयोग पर अपनी शिक्षाओं में, आज भारत, दुनिया के लोगों के साथ मिलकर, अंतरराष्ट्रीय मंच पर इन्हीं सिद्धांतों और मूल्यों की रक्षा करता है।” उन्होंने यह भी लिखा, “रूस भी ऐसा ही करता है।”

गौरतलब है कि पुतिन भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आए हुए हैं। इससे पहले उनका राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें सलामी गारद दी गयी।

केन्द्रीय मंत्री अर्जुनलाल मेघवाल पंजाब से उल्टे पांव लौटे

पंजाब में एक बार फिर अपने फैसले से पलटी केन्द्र सरकार, पहले भी जन विरोध के कारण कई फैसले पलटने पड़े हैं

—श्रीनन्द झा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। “आप” – शासित पंजाब में केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में लगातार यू-टर्न लिये जाने के बाद, केन्द्र सरकार को गुरवार को एक और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा, जब कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, जो बीकानेर से सांसद भी हैं, को अमृतसर एयरपोर्ट से ही लौटना पड़ा। वे फ़िरोज़पुर ज़िले के हुसैनीवाला में होने वाले गंग नहर के शताब्दी कार्यक्रम में नहीं गए। रिपोर्टों के अनुसार, मेघवाल एयरपोर्ट से बाहर भी नहीं निकले, और लगभग दो घंटे के भीतर ही दिल्ली लौटने वाली उड़ान से वापस चले गए। हालांकि, मंत्री शुक्रवार को राजस्थान के श्री गंगानगर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में गंग नहर के शताब्दी कार्यक्रम में शामिल हुये।

पंजाब और राजस्थान के बीच पानी के बंटवारे का मुद्दा हमेशा से विवादित

- केन्द्रीय कानून व न्याय मंत्री मेघवाल गंग नहर के शताब्दी कार्यक्रम में भाग लेने पंजाब गए थे, पर भारी जन विरोध के कारण, केन्द्र सरकार ने उन्हें वापस बुला लिया। मेघवाल एयरपोर्ट से बाहर भी नहीं निकले और लौट गए।

- हालांकि, उन्होंने श्रीगंगानगर में हुए गंग नहर शताब्दी कार्यक्रम में भाग लिया, उस कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल भी थे।

- पंजाब में गंग नहर का हमेशा से विरोध होता रहा है। यहाँ के लोगों का मत है कि अंग्रेजों ने बीकानेर को खुश करने के लिए गंग नहर बनाई थी, जो पंजाब के हक का पानी बीकानेर को देती है।

रहा है, और पंजाब के किसान अक्सर इसे राज्य के साथ अन्याय मानते हुए, इसका विरोध करते रहे हैं। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा, “गंग नहर कभी भी पंजाब के लिए कोई तोहफ़ा नहीं रही, बल्कि यह राज्य के साथ हुए ऐतिहासिक अन्याय को प्रदर्शित करती

है। जिस नहर ने पंजाब का पानी छीना, उसी का जश्न मनाना हमारी मान-मर्यादा का अपमान है।” इसी तरह, आप नेता नील गर्ग ने भी कहा कि “तत्कालीन ब्रिटिश हुकूमत ने बीकानेर को खुश करने के लिए पंजाब का पानी छीन लिया था। इस कार्यक्रम का सम्मान नहीं,

निन्दा की जानी चाहिए।” सूत्रों ने बताया कि मेघवाल के अमृतसर पहुँचने के तुरंत बाद, केन्द्र ने उन्हें वापस लौटने की सलाह दी, क्योंकि पंजाब में इस सम्बंध में राजनीतिक प्रतिक्रिया तेज़ी से बढ़ रही थी। राज्य भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि गंग नहर, पानी के बंटवारे के कारण, पंजाब में बेहद संवेदनशील और विवादास्पद मुद्दे के रूप में है। उन्होंने कहा, “मैं आभारी हूँ कि केन्द्र ने समय रहते पंजाब की संवेदनशीलता को समझ लिया।”

मेघवाल का यह प्रकरण केन्द्र सरकार के कई हालिया यू-टर्न के बाद सामने आया है। अक्टूबर में, केन्द्र ने पंजाब विश्वविद्यालय की सीनेट और सिंडिकेट के पुनर्गठन का नोटिफिकेशन जारी किया था, लेकिन उस पर हुई तीखी प्रतिक्रिया के बाद, उसे वापस लेना पड़ा। केन्द्र ने संविधान में संशोधन कर चंडीगढ़ को अच्छेद 24० में शामिल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अनिल अंबानी की 1120 करोड़ की संपत्ति ईडी ने जब्त की

नयी दिल्ली, 05 दिसंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रसिद्ध उद्योगपति अनिल अंबानी की रिलायंस समूह की

- ईडी ने यह कार्यवाही रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और यस बैंक फ्रॉड केस के सिलसिले में की है।

18 संपत्तियों, फिक्स्ड डिपॉजिट, बैंक में जमा राशि और असूचीबद्ध निवेश में उनकी शेरधारिता को जब्त किया है, जिनकी कीमत 1,120 करोड़ रुपये है। ईडी ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और यस बैंक फ्रॉड केस के सिलसिले में की गयी है। ईडी अधिकारी ने बताया कि कुर्क की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)